International Journal of Multidisciplinary Research and Development
Online ISSN: 2349-4182, Print ISSN: 2349-5979, Impact Factor: RJIF 5.72
www.allsubjectjournal.com
Volume 3; Issue 2; February 2016; Page No. 407-408

शैक्षिक प्रशासन में नेतृत्व

Dr. Kusum
Dr. Ram Manohar Lohia Avadh University Faizabad, India

प्रस्तावना

नेतृत्व शिक्षा प्रशासन का आधारभूत घटक है। प्रभावशाली नेता किसी उद्यम का आधारभूत एवं दुर्लभ संसाधन है। शिक्षा के क्षेत्र में नेतृत्व शब्द ऐसे व्यक्ति की ओर संकेत करता जो प्रबन्धात्मक पदवी पर है। जैसे विश्वविद्यालय का कुलपति, कालेज का प्रधानाचार्य, विभाग का प्रमुख संस्था का निर्देशक, विद्याालय का प्रधान अध्यापक, पर्यवेक्षक आदि।

कुश्ट्ज एवं डोन्नेल के अनुसार

नेतृत्व एक परिस्थिति में प्रयुक्त किया गया तथा विशिश्ट लक्ष्य अथवा लक्ष्यो की प्राप्ति की ओर निर्देशिका पारस्परिक प्रभाव है।

अतः कहा जा सकता है कि शिक्षा प्रशासन में नेतृत्व पक्ष सक्षम हो तो देश का वर्तमान एवं भविश्य उज्जवल है।

नेतृत्व समान लक्ष्यो की प्राप्ति में व्यक्तियों को अनुगमन करने के लिए प्रभावित करना नेतृत्व है। नेतृत्व के दो पहलू है। पहला लक्ष्यो की प्राप्ति, दूसरा व्यक्तियो के साथ कार्य करना।

शैक्षिक नेतृत्व के लिए आवश्यक गुण

प्रभावशाली नेतृत्व की योग्यता प्राप्त करने के लिए नेता में अनेक गुणो का होना आवश्यक है। नेतृत्व के गुण संख्या में इतने अधिक है कि सरलता पूर्वक गिनाया भी नही जा सकता। शैक्षिक नेतृत्व में उन सभी कार्यो को करने की क्षमता होती है जो शिक्षा विभाग तथा शिक्षण संस्थाओं की उत्तरोत्तर उन्नति के लिए आवश्यक समझे जाते है।

नेतृत्वकर्ता के गुण्

1. बौद्धिक कुशलता
2. नैतिक जागरुकता
3. निर्णयशक्ति
4. उत्तरदायित्व की भावना
5. आत्मनिर्भरता
6. जनसंपर्क एवं लोकप्रियता
7. संयम निर्वाह
8. आदर्श चरित्र
9. कल्पनाशीलता
10. संतुलित स्वभाव
11. प्रभावात्मक गठन

इन गुणो के होने पर ही एक नेतृत्वकर्ता अपनी कार्यकुशलता भली भाँति प्रदर्शित कर सकता है। शैक्षिक नेता की गुणवत्ता ही उसे योग्य बनाती है।

कुछ विशेशताऐं इस प्रकार है।

1. प्रभावशाली व्यक्तित्व
2. आदर्श चरित्र
3. वृत्तिक तथा शैक्षिक ज्ञान
4. सहिश्णुता तथा समायोजन
5. संस्थागत नियोजन का ज्ञान
6. पक्षपात रहित दृश्किोण
7. मानवीय संपर्क कला में दक्षता
8. आत्मविश्वास तथा सहयोग प्राप्त करने की इच्छा।

शैक्षिक नेतृत्व के प्रकार

निरंकुश नेतृत्व

इस नेतृत्व के स्वरुप में नेता अपने अनुयायियों कर्मचारियों या टीम मेम्बर पर अत्यधिक नियंत्रण रखने का प्रयास करता है अधिकांश व्यक्ति इस तरह के नेतृत्व को पसंद नही करते।

अहस्तेप नेतृत्व

इसमें नेतृत्वकर्ता मात्र अनुवीक्षता करना होता है। यह नेतृत्व तभी सफल होता है जब कर्मचारी अनुभव प्राप्त एवं कुशल हों। इस तरह के नेतृत्व में प्रबंधक का कर्मचारियो पर नियंत्रण नही होता।

नौकरशाही नेतृत्व

नौकरशाही नेतृत्व के सम्बन्ध कहा जाता है कि वे किताबों के अनुसार कार्य करते है वे मशीनी तंत्र के समान कार्य करते है।

लोकतांत्रिक नेतृत्व

यद्यपि लोकतांत्रिक नेतृत्व में अधिक निर्णय लोकतांत्रिक नेता ही करता है। यह प्रक्रिया वहाँ के कर्मचारियो को संतुश्टि प्रदान करती है।

जनोन्मुखी नेतृत्व

इस प्रकार के नेतृत्व में कर्मचारी को संगठित करने उनकी सहायता करने और उनका विकास करने पर सर्वाधिक बल दिया जाता है। इसमें टीम वर्क अत्यन्त सशक्त होता है।

सेवक नेतृत्व

इस तरह के नेतृत्व में नेतृत्वकर्ता की पहचान कठिन होती है यह नेतृत्व लोकतांत्रिक नेतृत्व के समान ही होता होता है। इसमें नेतृत्वकर्ता किसी संस्था में भी किसी स्तर पर हो सकता है।

कार्योन्मुखी नेतृत्व

इस नेतृत्व के प्रकार में नेतृत्वकर्ता कुछ हद तक निरंकुश होता है यह कर्मचारियों की कुशलता की उतनी परवाह नही करता।

चमत्कारी नेतृत्व

इस तरह के नेतृत्व में नेतृत्वकर्ता अपने कर्मचारियों में निरन्तर उत्साह बनाए रखता है। यह नेतृत्व अधिक उर्जावान होता है। यह प्रवृत्ति संगठन के लिए घातक है।

कार्य संपादन नेतृत्व

इसमें कर्मचारी नेतृत्वकर्ता की पूर्ण बात मानता है। इसमें नेतृत्वकर्ता को अधिकार है कि वह उन कर्मचारियो को दण्डित करे जो पूर्व निर्धारित मानको को पूर्ण न करते हों ।

रुपान्तरण नेतृत्व
रुपान्तरण नेतृत्व दूरदर्शी होता है तथा अधिकांश समय संचार में खर्च करता है।

नेतृत्व के सिद्धांत
1. व्यक्ति संबंधी सिद्धांत
2. व्यवहार सिद्धांत
3. लक्षणमूलक सिद्धांत
4. प्रासंगिकता सिद्धांत

नेतृत्वशैली
नेतृत्वशैली से आशय उस प्रक्रिया से है जो किसी संस्था में किसी विशय पर निर्णय करने के लिए अपनाई जाती है।

तानाशाही या निरंकुश प्रक्रिया
इसके दो प्रकार है।
नेता प्रबंधक उपलब्ध सूचनाओ का प्रयोग करके निर्णय लेता है।
1. नेता अपने समूह के सदस्यों से आवश्यक सूचना प्राप्त करता है। और तब निर्णय लेता है।

परामर्शवादी प्रक्रिया– इस श्रेणी में भी दो शैलियाँ हैं मुख्य सदस्यों के सहयाग से निर्णय लेता है इसमें वह एक एक से व्यक्तिगत रुप से उनके विचार एवं सुझाव लेता है
2. इस शैली में नेता किसी गोश्ठी में समूह में सदस्यों के साथ समस्या पर विचार करता है। तथा गोप्ठी में उनकी ही सलाह से निर्णय लेता है।

प्रभावशाली शैलियाँ
1. कार्यकारी शैली
2. नौकरशाही शैली
3. विकासात्मक शैली
4. हितकारी निरंकुश शैली

अप्रभावशाली शैलियाँ
1. समझौतावारी शैली
2. तानाशाही शैली
3. मिशनरी शैली
4. पलायनवारी शैली

नेतृत्व का मापन
नेतृत्व के सभी सिद्धांत नेतृत्व को विकसित करने वाले तत्वों के प्रशिक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। नेतृत्व के सिद्धांतो को विकसित करने वाले विद्धाने ने विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण का कार्यक्रम भी विकसित किए। इन विद्वानो में प्रमुख है फीडलर ब्रूम तथा यैटन, रौडिन हैसे तथा बूमैनचर्ड इन सभी का मानना है कि एक प्रभावशाली नेता के उन सभी व्यवहारो तथा शैलियों की जानकारी होना आवश्यक है जो उन्हे विभिन्न परिथतियो में प्रभावशाली होने योग्य बना सकती हो। यह व्यवस्थित प्रशिक्षण द्वारा संभव है। नेतृत्व प्रशिक्षण का एक महत्वपूर्ण पक्ष नेतृत्व का मापन है।

द लीडर बिहेवियर डिस्क्रिप्सन क्वैशनवायर
इस उपकरण का विकास आह्यो स्टेट यूनिवर्सिटी में पर्सनल रिसर्च द्वारा फाउंडेशन द्वारा किया गया है। इसका निर्माण हैम्पिल द्वारा वर्श 1950 में किया तथा बाद में हल्पिन तथा वाइनर ने वर्श 1952 में अपनाया ।

द लीडर ओपिनियन क्वैशचनायर
इसको 1960 में साइंस रिसर्च एसोसिएट्स शिकागो इलियानज के द्वारा प्रकाशित किया गया है। इसको एडविन ए फ्लैशमैन के द्वारा लीडर ओपिनियन क्वैशचनायर के नाम से विक्रय किया जाता है उपकरण दो मुख्य कारको– स्ट्रक्चर तथा कन्सीडरेशन पर नेता अमिविन्यास का मापन करता है।

सुपरवाइजरी विहेवियर डिस्क्रिप्सन
इसको इ ए फ्लैश मैन के द्वारा ए लीडर बिहेवियर डिस्क्रिप्शन फार इण्डस्ट्री के नाम से स्टोगडिल (एडीटर) की लीडर विहेवियर इट्स डिस्क्रिप्सन एण्ड मेजरमेण्ट में प्रकाशित किया गया है। यह 48 कथनो की प्रश्नावली है।

लीडर इफैक्टिवनस एण्ड एडेप्टिविलिटी डिस्क्रिप्सन
इस उपकरण में 12 कथन या परिस्थितियाँ है। प्रत्येक परिस्थिति के लिए चार वैकल्पिक उत्तर या प्रबंध शैलियाँ दी गई है। इस उपकरण का विकास हरसे तथा ब्लैनचर्ड द्वारा 1978 में किया गया है।